

1- ,e, evkbz, l ds ek/; e l s vki frzdrkzka l s cdk; k jkf'k ol wy djuk

fofHkUu l rdrk tkp ds nksjku ik; k x; k fd pddrkz Qek@vki frzdrkzka l s fofHkUu izdkj ds ol wyh ds ekeys izdk'k ea vk, gS ftl dh ol wyh ea l keku; r% dkQh yack l e; yx tkrk gSA l rdrk fohkx }kjk ekeys dh Nkuchu HkMkj o ys[kk fohkx ds l kFk dh xbz rFkk cdk; k ol wyh dh l eL; k l s fuiVus ds fy, HkMkj rFkk ys[kk fohkx }kjk la pr : i l s oraku ,e, evkbz, l dks vixM djrs gq pddrkz Qek@vki frzdrkzka l s , d s ol wyh gsrq , d izkkyh fodfl r dh xbz gS A , d ol wyh ekLVj cuk; k x; k ftl ea dh tkus okyh ol wyh ds foofj.k ds l kFk l kFk ubz l fof"V; ka 'kkfey djus dk iko/kku fd; k x; k gSA bl vixM izkkyh dks ykxw djus l s vc ,e, evkbz, l ds ek/; e l s ; g dk; l fd; k tkuk l lko gks l dsx A bl ds l kFk l kFk fcy ikl gkus ea l e; de yxsk rFkk fo'ol uh; rk] i k jnf'k rk , oa nks'k jfgr izkkyh Hkh l fuf'pr gks l dsx A

2- HkMkj fohkx ea [kjh gsrq ,u, l ekax i=@ekax i= l s l af/kr vupknu@eatjh dh Nk; k i fr iLrq djuk

l rdrk tkp ds nksjku ik; k x; k fd , d en dk ekax i= l {ke ikf/kdkjh ds vupknu@eatjh fy, fcuk [kjh gsrq HkMkj fohkx dks Hkst k x; k A vr% izkkyh l qkkj gsrq l p-kko tkjh fd; k x; k fd ,u, l ekax i=@ekax ij fujiokn : i l s l {ke ikf/kdkjh dk gLrk{kj@egj gks rFkk gLrk{kj drkz ikf/kdkjh ; g l fuf'pr djs fd ekax x, enka dh [kjhnh gsrq mfpr eatjh\vupknu iklr dj yh xbz gS A bl fy, l Hkh [kjhndrkz vf/kdkfj; ka dks ; g l fu'pr djus dh l ykg nh xbz gS fd l kexh [kjh djus l s i wZ ekax i=\ekax gsrq foRrh; l gefr 1/4 t gk dgha ykxw g 1/2 ds l kFk mfpr eatjh vupknu iklr dj yh xbz gA

3- HkMkj fMiks ea ijh{k.k@i fDVdy fQVeW gsrq l kexh Hkst uk

l kexh ds mfpr ys[kk tks[kk ds j[k j[kko gsrq Mhty ykds 'kM ds HkMkj fMiks ds ikorh vupkx ea l rdrk tkp dh xbz ftl ea ik; k x; k fd fMiks vf/kdkjh ds i wZ vupknu rFkk ijh{k.k gsrq iklr l kexh dh ek=k ds l ak ea rdudh LVkQ l s ikorh fy, fcuk gh ijh{k.k gsrq l kexh 'kM l s Hksth tk jgh Fkh A bl fy, ; g l p-kko fn; k x; k gS fd dkbz Hkh l kexh fMiks vf/kdkjh ds vupknu ds fcuk 0; kogkfj d mi ; prrk 1/4 i fDVdy fQVeW 1/2 ijh{k.k gsrq ugha Hksth tk, rFkk , d s ekeyka ea iklr l kexh dh ek=k ds l ak ea rdudh LVkQ l s ikorh yh tk, rFkk fyf[kr fjdkMZ j[kk tk, A

4- HkMkj ds ys[kk tks[kk , oa fui Vku ds l aak ea 0; oLFkk

bl jsyos dh , d ihMcy; wkbz ; fuV ea LVkd l R; ki u ds nkjku vf/kd ek=k ea jsy iFk l kexh dh dehos kh dk irk pyk ftl ds ifj.kkeLo: i LVkd/kkj d %l aak/kr , l , l bl@j sy iFk ds fo:) LVkd 'khV ea , d djkm+l s vf/kd : i , dk ukes vk; k gS A bl ekeys dh l rdhk }kjk Hkh tkp dh xbl A vr% Hkfo"; ea bl rjg dk ekeyk i adk'k ea uk vk,] vr% iz kkyh l qkkj gsrq fuEufyf[kr l qkko fn, x, %

1- LVkd gkSMj ds HkMkj ea cgr vf/kd ek=k ea Ldñ rFkk viz; Dr l kexh dk LVkd gkuk vfu; ferrk dk l kr gS A vr% LVkd gkSMj ds ikl miyC/k Ldñ l kexh rFkk viz; Dr LVkd dk l aak/kr vf/kdkjh }kjk ekWhVj fd; k tk, A ; fn l kexh cgr igkuh@vf/kd ek=k ea gks rks , d h l kexh dk fui Vku vl; ; fuV dks muds mi ; ks ds fy, rFkk HkMkj foHkkx dks uhykeh ds fy, ndj fd; k tk, ftl l s l kexh ds l p; u l scpk tk l ds A

2- LVkd l R; ki u ds nkjku ns[kh xbl xalkhj dfe; ka %l kexh dh vR; f/kd ek=k vFkok deh% dks l R; ki u l s l aak/kr 'kk[kk vf/kdkjh rFkk ofj "B eMy foRr i aak ds /; ku ea yk; k tk, rFkk 'kk[kk vf/kdkjh rFkk ofj "B eMy foRr i aak }kjk rRdky LVkd ds i qd R; ki u ds vkn's k fn, tk, A

3- LVkd gkSMj rFkk LVkd l R; ki d }kjk i qd R; ki u o l ek/kku ds i 'pkr LVkd 'khV r\$ kj dh tk, A l aak/kr 'kk[kk vf/kdkjh rFkk ofj "B eMy foRr i aak }kjk LVkd 'khV ds ifj.kkeka dk vuqh{k.k fd; k tk, A

4- ekStnk fu; ekuq kj dfe; ka ds fy, ol myh ; fn dkbz gkj rRdky dh tk, A

5- tgka t: jh gks nks'kh depkjh ds f[kykQ vko'; d vuqkkl ukRed dkj bkbz dh tk, A

6. HkMkj ij jsy iFk Ldñ rFkk i qd Ldñ ds fui Vku gsrq i ejs@, l eq; k@1402 fnukad 30-11-07 }kjk ts hvks ea nh xbl ifdz; k dk dMkbz l s vuqkyu fd; k tk, A

5. एक सतर्कता जॉच के दौरान यह पाया गया कि कुछ गैर-स्टॉक मॉग-पत्रों में सुझाए गए स्रोतों के पूर्ण पते नहीं दिए गए थे, इसलिए उन्हें निविदा जॉच के प्रेषण में विलंब हुआ । ऐसी अनियमितताओं से बचने के प्रयोजन से एक प्रणाली-सुधार का सुझाव दिया गया है कि गैर-स्टॉक मॉग-पत्रों की तैयारी करते समय सभी मॉगकर्ताओं को उन्हें आपूर्ति के संभावित स्रोतों का पूर्ण डाक पता और फ़ैक्स/ईमेल देना चाहिए ताकि उन्हें निविदा आमंत्रण पत्र प्रेषित करना सुनिश्चित किया जा सके ।

6- एक सतर्कता जॉच के दौरान यह पाया गया कि सामग्री की खरीद के लिए विनिर्माता के कीमत-सूची के आधार पर मॉग-पत्र तैयार किया गया है जो बाद में बढ़ी हुई दरों सहित पाया गया । इसके फलस्वरूप मर्दाने अधिक ज्यादा दरों पर खरीदी जाती यदि संबंधित अधिकारियों द्वारा समय पर यह पता नहीं लगाया जाता जिससे रेलवे को राजस्व की हानि होती । ऐसी अनियमितताओं से बचने के उद्देश्य से एक प्रणाली सुधार का सुझाव दिया गया कि ऐसे मामलों में दरों के गलत मूल्य निर्धारण एवं उच्चतर दरों पर खरीद से बचने के लिए कम-से-कम फोन पर फर्मों से कीमत-सूची/बजटीय प्रस्ताव की प्रामाणिकता को अवश्य सत्यापित कर लिया जाय ।

- 7- इंजीनियरी निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यों पर निवारक जॉच के दौरान यह देखा गया कि 265-19] 266-20] 269-45] 265]87 और 257-94 किग्रा/सेमी. वर्ग की 28 दिन घन शक्ति आधारित एम-25 कंक्रीट स्वीकार किया गया है जबकि IS 456/2000 धारा 16-1 द्वारा निर्धारित स्वीकृति मानदंडों को ये पूरा नहीं करते हैं, यद्यपि इन कंक्रीट घनों की शक्ति कंक्रीट की विशिष्ट शक्ति से अधिक है । यह गलती संबंधित पर्यवेक्षकों के साथ-साथ अन्य फील्ड अधिकारियों के उक्त विषय पर संबद्ध संहिताओं/नियमावलियों की जानकारी के अभाव के कारण हुई ।
अतः, फील्ड में बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रणाली-सुधार के लिए फील्ड कर्मचारियों को नवीनतम आईएस संहिताओं/नियमावलियों एवं कंक्रीट, आरसीसी, पीएससी, मिट्टी का काम आदि पर अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन के दिशा-निर्देशों की जानकारी के लिए प्रधान मुख्य इंजीनियर को उपयुक्त कार्यशाला/प्रशिक्षण तथा पुनःश्रिया पाठ्यक्रम चलाने की सलाह दी गई है ।
- 8- अनुपयोगी माल के मात्रा-निर्धारण एवं सुपुर्दगी में अनियमितता के पहलू पर की गई एक निवारक जॉच के दौरान यह देखा गया कि सुपुर्दगी के समय मात्रा में 16-402 मेट्रीक टन की कमी थी जिसमें क्रेता को रु. 4]01]052@& वापस किए गए ।
जॉच के पश्चात् यह पाया गया कि सर्वेक्षण के दौरान टेलीग्राफ लाईन का मात्रा निर्धारण सैद्धांतिक रूप से गलत किया गया । जबकि, टेलीग्राफ लाईन की सुपुर्दगी लाईन गिराने के बाद वास्तविक वजन में की गई ।
प्रणाली-सुधार के लिए भंडार नियंत्रक को ऐसे मामलों में अनुपयोगी माल निपटान संबंधी व्यापक दिशा-निर्देश जारी करने के लिए सूचित किया गया ताकि सुपुर्दगी के दौरान कमी से बचा जा सके ।
- 9- निर्माण-कार्य संविदा/ठेका संबंधी मामलों में प्रणाली सुधार का सुझाव दिया गया जहाँ अनिवार्य रूप से अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन अनुमोदित स्रोतों से कतिपय मदें खरीदी जानी होती है और अनुसूची में शामिल विभिन्न अपूर्ति मदों की निरीक्षण एजेंसियों के संबंध में थी जैसे—
(i) अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन अनुमोदिन स्रोतों से खरीदी जाने वाली मदों को अपूर्ति हिस्से की संविदा अनुसूची में सुस्पष्ट रूप से (मदवार) चिह्नित किया जाय ।
(ii) फील्ड अधिकारियों को संशय न हो, अतः संविदा अनुसूची में प्रत्येक मद के अंतर्गत केवल ए निरीक्षण एजेंसी का उल्लेख किया जाना चाहिए ।
- 10-पुल निर्माण-कार्य हेतु अपेक्षित हाइड्रॉलिक (द्रव्यचालित) जैक की खरीद के संबंध में प्रणाली-सुधार हेतु सुझाव दिया गया जैसे कि (i) संरक्षा से जुड़ी मद होने के कारण पुल निर्माण-कार्य के लिए अपेक्षित सभी विशेष हाइड्रॉलिक (द्रव्यचालित) जैक केवल ओईएम या उनके प्राधिकृत डीलरों से ही खरीदे जाएँ ।